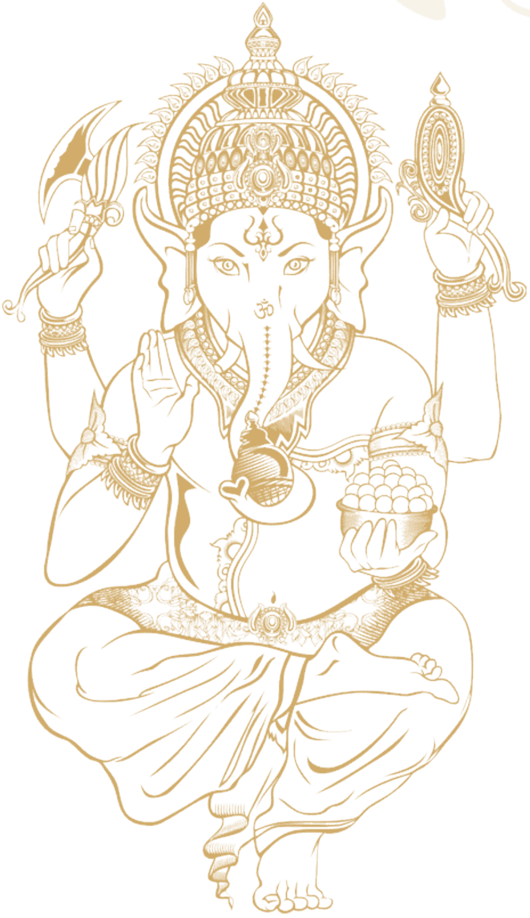

Shippi

08 Feb 1995

04:11 PM

New Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121387312

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**: 08/02/1995**
दिन	: बुधवार
जन्म समय	**: 16:11:00 घंटे**
इष्ट	: 22:43:29 घटी
स्थान	**: New Delhi**
देश	: India

अक्षांश	: 28:36:00 उत्तर
रेखांश	: 77:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:21:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 15:49:48 घंटे
वेलान्तर	: -00:14:12 घंटे
साम्पातिक काल	: 01:02:05 घंटे
सूर्योदय	: 07:05:36 घंटे
सूर्यास्त	: 18:05:28 घंटे
दिनमान	: 10:59:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शिशिर
सूर्य के अंश	: 25:24:31 मकर
लग्न के अंश	: 01:50:39 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**: वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**: कृतिका - 3**
नक्षत्र स्वामी	: सूर्य
योग	: ब्रह्म
करण	: बालव
गण	: राक्षस
योनि	: मेष
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: वैश्य
वश्य	: चतुष्पाद
वर्ग	: गरूड़
युँजा	: पूर्व
हंसक	: भूमि
जन्म नामाक्षर	: उ-उपासना
पाया(राशि-नक्षत्र)	: स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	01:50:39	308:15:48	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	---
सूर्य			मक	25:24:31	01:00:46	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	05:12:14	11:47:33	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मूलत्रिकोण
मंगल	व		सिंह	00:34:10	00:23:42	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	मित्र राशि
बुध	व	अ	मक	15:41:48	00:59:18	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
गुरु			वृश्चि	17:39:00	00:08:30	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
शुक्र			धनु	10:15:42	01:07:47	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
शनि			कुंभ	18:07:35	00:06:59	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	15:33:20	00:00:49	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	15:33:20	00:00:49	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			मक	03:55:15	00:03:22	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
नेप			मक	00:12:28	00:02:06	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:38:49	00:00:50	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			मीन	23:02:55	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:32

लग्न-चलित

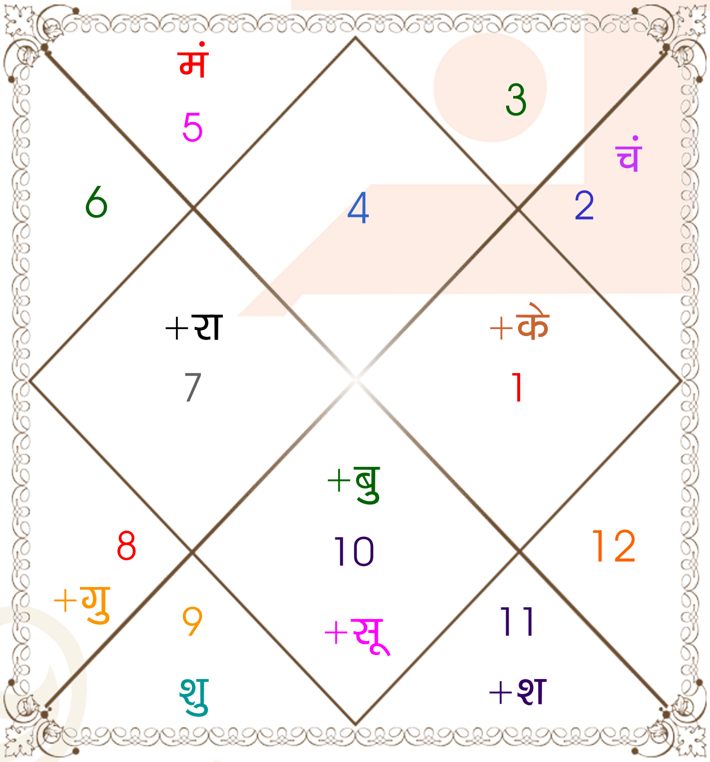

चन्द्र कुंडली

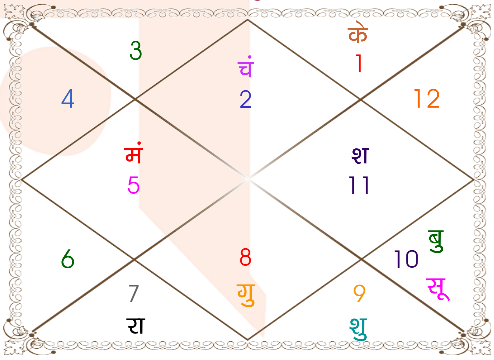

नवमांश कुंडली

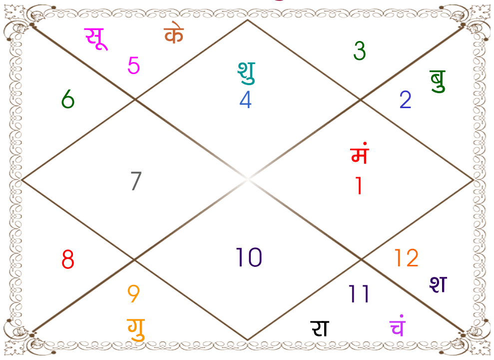

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 1 मास 27 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
08/02/1995		06/04/1997		07/04/2007		07/04/2014		06/04/2032	
06/04/1997		07/04/2007		07/04/2014		06/04/2032		06/04/2048	
	00/00/0000	चंद्र	05/02/1998	मंगल	03/09/2007	राहु	18/12/2016	गुरु	25/05/2034
	00/00/0000	मंगल	06/09/1998	राहु	21/09/2008	गुरु	13/05/2019	शनि	06/12/2036
	00/00/0000	राहु	07/03/2000	गुरु	28/08/2009	शनि	19/03/2022	बुध	14/03/2039
	00/00/0000	गुरु	07/07/2001	शनि	06/10/2010	बुध	06/10/2024	केतु	18/02/2040
	00/00/0000	शनि	05/02/2003	बुध	04/10/2011	केतु	24/10/2025	शुक्र	19/10/2042
	08/02/1995	बुध	07/07/2004	केतु	01/03/2012	शुक्र	24/10/2028	सूर्य	07/08/2043
बुध	30/11/1995	केतु	05/02/2005	शुक्र	01/05/2013	सूर्य	18/09/2029	चंद्र	06/12/2044
केतु	06/04/1996	शुक्र	06/10/2006	सूर्य	06/09/2013	चंद्र	20/03/2031	मंगल	12/11/2045
शुक्र	06/04/1997	सूर्य	07/04/2007	चंद्र	07/04/2014	मंगल	06/04/2032	राहु	06/04/2048

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
06/04/2048		07/04/2067		06/04/2084		07/04/2091		08/04/2111	
07/04/2067		06/04/2084		07/04/2091		08/04/2111		00/00/0000	
शनि	10/04/2051	बुध	03/09/2069	केतु	02/09/2084	शुक्र	06/08/2094	सूर्य	27/07/2111
बुध	18/12/2053	केतु	31/08/2070	शुक्र	02/11/2085	सूर्य	07/08/2095	चंद्र	25/01/2112
केतु	27/01/2055	शुक्र	01/07/2073	सूर्य	10/03/2086	चंद्र	06/04/2097	मंगल	01/06/2112
शुक्र	29/03/2058	सूर्य	07/05/2074	चंद्र	09/10/2086	मंगल	07/06/2098	राहु	26/04/2113
सूर्य	11/03/2059	चंद्र	07/10/2075	मंगल	08/03/2087	राहु	07/06/2101	गुरु	12/02/2114
चंद्र	09/10/2060	मंगल	03/10/2076	राहु	25/03/2088	गुरु	06/02/2104	शनि	25/01/2115
मंगल	18/11/2061	राहु	22/04/2079	गुरु	01/03/2089	शनि	08/04/2107	बुध	09/02/2115
राहु	24/09/2064	गुरु	28/07/2081	शनि	10/04/2090	बुध	06/02/2110		00/00/0000
गुरु	07/04/2067	शनि	06/04/2084	बुध	07/04/2091	केतु	08/04/2111		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 1 मा 27 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में कर्क लग्न, कर्क नवमांश एवं कर्क राशि के द्रेशकाण में हुआ है। जन्मकाल वर्गोत्तम गुण से युक्त एवं अनुकूल जन्म लग्नोदयादि उदित था जिसके प्रभाव से आप भाग्यशाली, अनेक अनुकूलताओं से युक्त, आरामदायक जीवन व्यतीत करनेवाली है। समाज में आपकी स्थिति समृद्धियुक्त एवं जीवन का श्रेय वर्गोत्तम का प्रभाव भगवान की देन प्रमाणित करता है।

आपके जीवन का मुख्य सबक यह है कि आप मस्तिष्क में यह बात सोच लें कि आप निश्चित रूप से उन्नति प्राप्त करेंगी एवं आप किसी भी विषय अथवा कार्य योजना पर निश्चित समय पर निर्णय लेकर, कार्यरूप देना, यह आपका स्वाभाविक जन्मजात विशेषता है। यदि आप तत्क्षण कार्य की सुनिश्चितता नहीं प्राप्त कर सकी तो परिणामस्वरूप अनेकानेक सुअवसर का लाभ आपको हस्तगत नहीं हो सकेगा। अस्तु आपको दृढ़तापूर्वक चिन्तन करके कार्य कला नीति लागू करनी चाहिए। ताकि आप लाभ प्राप्ति के परिणाम के अनुसार विजय श्री प्राप्त कर सकें।

आपको दो अन्य अपेक्षित सावधानी के सम्बन्ध में ध्यान देना आवश्यक है। आप जितनी संख्या में सन्तान की प्राप्ति चाहेंगे-उतनी संतान का सुख अवश्य प्राप्त होगा।

आपके शरीर का उपरी भाग बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली रहेगा। जबकि कुछ वर्षों के बाद उदर बड़ा होकर शरीर का निचला भाग दुर्बल हो जायगा। यदि आप बैल की भॉति उदर बढ़ाने की प्रवृति का त्याग करें। अन्य दूसरी बात यह है कि आप अपने पारिवारिक आकृति के सम्बन्ध में सचेत रहे। क्योंकि छोटा परिवार द्वारा उत्तम सुख प्राप्त होता है। इसलिए परिवार के प्रति समर्पित एवं पति के साथ अनुकूलतापूर्वक सम्बंधित रहकर परिवार नियोजन के सिद्धान्त के अनुसार अधिक मात्रा में सन्तानोत्पत्ति पर नियंत्रण रख सकती हैं। यह स्वभाव आप दोनों में किसी का भी आपके पारिवारिक जीवन अथवा देशीय प्रथा के लिए ठीक नहीं है। यह झलक आपके जन्म प्रभाव से परिलक्षित होता है।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप समझौता पूर्वक सचेत रहकर पारिवारिक सुख एवं बच्चों के सुख एवं लाभ के लिए सुनिश्चित कर लें कि आपका परिवारिक जीवन नियंत्रित हो।

सामान्यतया आप पूर्णरूपेण स्वस्थ्य रहने के लिए सचेष्ट रहें, तथा स्वास्थ्य का सम्पोषण करती रहेंगी।

आप अपने स्वस्थ्य के लिए तथा कुछ रोगादि के प्रति सावधान रहें क्योंकि आप मूर्छा रोग, सफेद दाग, हिस्ट्रीया, फोड़ा फुन्सी तथा गले की दिक्कतें सम्बंधी रोग से आक्रान्त हो सकते हैं।

आपके लिए अनुकूल कर्म व्यवसायों में आयात-निर्यात, पर्यटन कार्य, ट्रान्सपोर्ट का कार्य तथा सामुदायिक कार्य करना उत्तम होगा। इसके अतिरिक्त कृषि कार्य, फैक्ट्री

चलाना, यांत्रिक, रेस्टोरेन्ट खेल सामग्री सुरक्षा एवं पुलिस की नौकरी से सम्बंधित कार्य कर सकती हैं। आप राजनीति के लिए उपयुक्त एवं पूर्ण समर्थ है। सम्बंधित कार्य आपके लिए लाभदायक प्रमाणित होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं कम्पनशील है।

अंक 3 एवं 5 अंक आपके लिए प्रतिकूल है अतः इस अंक के व्यवहार का त्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद एवं क्रीम रंग, पीला एवं लाल रंग प्रमाणित हो सकता है। हरा एवं ब्लू रंग का सर्वथा त्याग करें।